हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

हिन्दी (आधार) सीनियर सैकेण्डरी

निर्धारित समय : 3:00 घण्टे। पूर्णांक : 80

कुल मुद्रित पृष्ठ : 8

मूल्यांकन निर्देश एवं आदर्श उत्तर

सामान्य निर्देश :

परीक्षार्थी के सही एवं उचित आंकलन के लिए उसकी उत्तर –पुस्तिका का मूल्यांकन एक महत्तपूर्ण कार्य है। इस कार्य में छोटी सी भी भूल/ असावधानी गंभीर समस्या पैदा कर सकती है, जो परीक्षार्थी के भावी जीवन, शिक्षा प्रणाली एवं अध्ययन अध्यापन की व्यवस्था को कुप्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए आवश्यक है कि किसी परीक्षार्थी की उत्तर–पुस्तिका का मूल्यांकन करने से पहले मूल्यांकन निर्देशों का भली–भांति अध्ययन कर लिया जाए। उप–परीक्षक मूल्यांकन निर्देशों का ध्यानपूर्वक अवलोकन करके उत्तर–पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें। यदि परीक्षार्थी ने प्रश्न पूर्ण व सही हल किया है तो ऐसी स्थिति में पूर्णांक देने में संकोच न करें।

मूल्यांकन कार्य करने के लिए महत्त्वपूर्ण निर्देश :

1 उत्तर–पुस्तिका का मूल्यांकन अंक–योजना में दिए गए निर्देशानुसार किया जाना है।

2 अंक–योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।

3 अंक–योजना में दिए गए उत्तर– बिन्दु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एंव सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उचित अंक दिए जाएँ।

4 निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर के संदर्भ में परीक्षार्थी के उत्तर का जितना भाग सही हो , उसके अनुसार उचित अंक अवश्य प्रदान करें।

Downloaded from www.cclchapter.com

5 प्रश्न के उपभागों के उत्तर के अंक दाएं ओर दिए जाएँ और बाद में इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिए में अंकित किए जाएँ।

6 परीक्षार्थी द्वारा अपेक्षा के अनुरूप सही उत्तर लिखने पर उसे पूर्णांक दिए जाएँ।

7 वर्तनीगत अशुद्धियों एवं विषयांतर की स्थिति में अधिक अंक देकर प्रोत्साहित न करें।

8 परीक्षार्थी के किसी प्रश्न के उत्तर में 10 प्रतिशत तक शब्द सीमा कम या अधिक होने पर उसे नजर अंदाज करें। परंतु अंतर 10 प्रतिशत से अधिक होने पर परीक्षार्थी को 1 अंक काट कर दंडित किया जा सकता है।

9 शुद्ध, सार्थक एवं सटीक उत्तरों को यथायोग्य अधिमान दिया जाए।

10 भाषा–क्षमता एवं अभिव्यक्ति–कौशल पर ध्यान दिया जाए।

11 मुख्य–परीक्षकों/उप–परीक्षकों को उत्तर–पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए केवल Marking Instructions/ Guidelines दी जा रही है, यदि मूल्यांकन निर्देश में किसी प्रकार की त्रुटि हो, प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, मूल्यांकन निर्देश में दिए गए उत्तर से अलग कोई और भी उत्तर सही हो तो परीक्षक, मुख्य–परीक्षक से विचार–विमर्श करके उस प्रश्न का मूल्यांकन अपने विवेकानुसार करें।

खण्ड अ

बहुविकल्पीय

प्रश्न न॰ **1** अपठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5

(i) (क) और (ख) दोनों 1

(ii) आत्मनिर्भर, प्रतिष्ठाप्राप्त , शक्तिशाली 1

(iii) उपरोक्त सभी 1

(iv) गरीब के घर में इनकी सेवा के लिए नौकर–चाकर होते है। 1

(v) वे दरिद्रतापूर्ण ढंग से सज्जित होती हैं। 1

Downloaded from www.cclchapter.com

प्रश्न न॰ 2 अपठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5

(क) निर्माण की थकान 1

(ख) निरंतर चलने की 1

(ग) अधूरे कार्य को दुगुने उत्साह से संपन्न करना। 1

(घ) अंधकारमय 1

(ङ) कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी सही व्याख्या करता है। 1

प्रश्न न॰ 3 **'आरोह भाग–2'** पाठ्य पुस्तक पर आधारित काव्य खण्ड के बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5

(क) रंगीन पतंगों का कोमलमय संसार। 1

(ख) केवल (i) 1

(ग) अशांत 1

(घ) क्षण की 1

(ङ) प्रियतमा की निष्ठुरता 1

प्रश्न न॰ 4 **'आरोह भाग–2'** पाठ्य पुस्तक पर आधारित गद्य खण्ड के बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5

(क) 29 वर्ष 1

(ख) संयमी 1

(ग) मठरी 1

(घ) विज्जिका देवी 1

(ङ) गर्भधारण के साथ 1

प्रश्न न॰ 5 **'अभिव्यक्ति और माध्यम'** नामक पुस्तक पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5

(क) विशेषीकृत रिपोर्टिंग 1

(ख) 70 हजार 1

(ग) श्रव्य – दृश्य 1

(घ) अंशकालिक 1

(ङ) संपादक द्वारा दिए गए विषय पर ही लेखक को स्तंभ लिखना पड़ता है 1

Downloaded from www.cclchapter.com

प्रश्न न॰ 6 'व्याकरण' पर आधारित निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5

(क) महर्षि 1
(ख) सत्य के लिए आग्रह 1
(ग) संप्रदान तत्पुरुष समास 1
(घ) परसर्ग संबंधी 1
(ङ) बच्चे को फल काटकर खिलाओ। 1

खण्ड– ब

वर्णनात्मक प्रश्न

प्रश्न न॰ 7 **'आरोह भाग–2'** नामक पाठ्य पुस्तक पर आधारित काव्यांश की व्याख्या अपेक्षित है। 5

प्रसंग – पाठ्य पुस्तक – आरोह भाग–2 , कवि – हरिवंशराय बच्चन , कविता– आत्मपरिचय

कवि ने जीवन में प्रेम के महत्त्व व संसार के लोगों की मानसिकता, व्यवस्था आदि का वर्णन किया है। 1½

व्याख्या– कवि ने बताया कि वह सदा प्रेम के नशे में डुबा रहता है। संसार की बातों पर ध्यान न देना। संसार की मानसिकता का वर्णन । कवि ने अपने गीतों में अपने मन के भावों को ही अभिव्यक्त किया है। 2

काव्य–सौन्दर्य –

- कवि ने प्रेम व मस्ती का सुंदर वर्णन किया है।
- शांत रस का सुंदर प्रयोग।
- प्रसाद गुण का समावेश।
- ' स्नेह–सुरा ' में रूपक अलंकार ।
- 'जो जग' व 'किया करता है' में अनुप्रास अलंकार की छटा दर्शनीय।
- वर्णनात्मक व आत्मपरक शैलियों का प्रयोग। 1½

अथवा

'आरोह भाग–2' नामक पाठ्य पुस्तक पर आधारित काव्यांश के प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5

(i) कवि – फिराक गोरखपुरी , कविता – रुबाइयाँ ½ + ½ = 1

Downloaded from www.cclchapter.com

(ii) माँ के मुँह को 1

(iii) पुनरुक्तिप्रकाश अलंकार 1

(iv) पुते हुए व सजे हुए 1

(v) छोटे बच्चे की सुंदर माँ को 1

प्रश्न न॰ 8 **'आरोह भाग–2'** के काव्य खंड पर आधारित दर्शाए गए अंकों के अनुसार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 3+2 =(5)

(क) अपाहिज व्यक्ति की पीड़ा व भावनाओं के साथ खिलवाड़ को दूरदर्शन के पर्दे के पीछे छिपें सत्य को रेखांकित किया है। कवि द्वारा कार्यक्रम संचालकों की करूणा में छिपी क्रूरता का पर्दाफाश करना। पीड़ा के प्रति स्वयं संवेदनशील होने और दूसरों को संवेदनशील बनाने की प्रेरणा दी है। 3

(ख) भरत के बाहुबल ,शील स्वभाव ,गुण और भगवान राम के चरणों में उनका अपार प्रेम आदि। 2

प्रश्न न॰ 9 **'आरोह भाग–2'** नामक पाठ्य पुस्तक पर आधारित गद्यांश की व्याख्या अपेक्षित है। 5

प्रसंग– पाठ्य पुस्तक– आरोह भाग–2, पाठ – बाज़ार– दर्शन ,लेखक– जैनेन्द्र कुमार परिचितों ,मित्रों से जुड़े अनुभव के माध्यम से बाज़ार की जादुई ताकत का एहसास कराना। 1½

व्याख्या – लेखक ने उदाहरणों के माध्यम से बाजार के जादू से बचने के उपायों का सुंदर व पभावशाली वर्णन किया है। लेखक ने आवश्यक वस्तुओं की खरीद में पूर्ण योजना के साथ बाजार में जाने की सलाह दी है। खाली मन से बाजार न जाने को प्रेरित किया है। 2

भाषा वैशिष्ट्य – अभिधा शब्दशक्ति ,आत्मकथात्मक शैली, तत्सम , तद्भव व उर्दू शब्दावली। 1½

अथवा

Downloaded from www.cclchapter.com

'आरोह भाग–2' नामक पाठ्य पुस्तक पर आधारित गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5

(i) लेखक – डॉ॰ भीमराव आंबेडकर ½

पाठ – श्रम विभाजन एवं जाति प्रथा ½

(i) किसी अन्य पेशे में पारंगत होने पर भी जाति प्रथा से अनुपयुक्त या अपर्याप्त पेशा होने के कारण। 1

(iii) उद्योग–धंधों की प्रक्रिया व तकनीक में अचानक परिवर्तन आ जाने या विकास अवरुद्ध हो जाने के कारण। 1

(iv) उद्योग–धंधों की प्रक्रिया व तकनीक में अचानक परिवर्तन आ जाने या विकास अवरुद्ध हो जाने के कारण व्यक्ति को अपना व्यवसाय बदलना पड़ सकता है। पेशा बदलने की अनुमति न होने से उसे भूखा मरना पड़ सकता है। 1

(v) पेशा बदलने की अनुमति न देकर जाति प्रथा भारत में बेरोजगारी का एक प्रमुख कारण बनी हुई है। 1

प्रश्न न॰ 10 **'आरोह भाग–2'** के गद्य खंड पर आधारित दर्शाए गए अंकों के अनुसार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (5)

(क) लोकास्था और विज्ञान के द्वंद्व चित्रण, पाखंड व अंधविश्वास का विरोद्धात्मक व्यंग्य, जल के महत्त्व पर प्रकाश डाला गया है। 3

(ख) अवधूत (सन्यासी) जिस प्रकार मस्त ,फक्कड़ ,अनासक्त और मादक होते हैं , शिरीष के फूल भी उसी प्रकार फक्कड़ होकर उपजते हैं। संयासी के गुणों से समानता होना। 2

प्रश्न न॰ **11** **'अभिव्यक्ति और माध्यम'** पर आधारित किसी एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित हैं। (5)

- प्रारंभ 1
- विषय वस्तु 3
- भाषा 1

Downloaded from www.cclchapter.com

अथवा

- कहानी को समय और स्थान के आधार पर विभाजित किया जाता है।
- रूपान्तरण करते समय कहानी के पात्रों की दृश्यात्मकता और नाटक के पात्रों में उनका प्रयोग किया जाना चाहिए।
- संवाद छोटे– छोटे , पात्रानुकुल , प्रसंगानुकुल व सामान्य बोलचाल की भाषा में लिखे जाएं।
- पात्रों की भाव–भंगिमा और तौर–तरीके व संवादों से प्रभाव उत्पन्न किया जाए।
- कथावस्तु से संबंधित वातावरण , ध्वनि ,प्रकाश व्यवस्था , मंच–सज्जा और संगीत की व्यवस्था कर। 5

(विद्यार्थी के भिन्न उत्तर की स्थिति में विवेकानुसार मूल्यांकन करें)

प्रश्न न• 12 **'अभिव्यक्ति और माध्यम'** पर आधारित दर्शाए गए अंकानुसार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 3+2 = 5

(क) कहानी एक्शन प्रधान न हो , पात्रों की संख्या 5 से 6 हो , अवधि 15 से 20 मिनट , संवाद छोटे हों , ध्वनि का समय व स्थानानुसार प्रयोग। 3

(ख) **लाभ** – जन–जन तक पहुँच , सुविधानुसार उपयोग।

हानि– अनपढ़ लोगों के लिए अनुपयोगी , खबर तत्काल पहुँचाने में असमर्थ। 2

प्रश्न न• 13 **'वितान भाग–2'** पर आधारित दर्शाए गए अंकों के अनुसार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 3 + 2 + 2 = 7

(क) दूरदर्शी और बुद्धिमान ,कर्त्तव्यपरायण, काव्य–गुण, जूझारू आदि। 3

(ख) महाकुंड की लंबाई 40 फुट , चौड़ाई 25 फुट , गहराई 7 फुट। उत्तर दिशा में 8 स्नान घर , कुंड के तीन तरफ साधुओं के कक्ष,कुंड का निर्माण पक्की ईंटों से । 2

(ग) यशोधर बाबू के सहज ,सरल जीवन का पक्षधर होना, परिवार के अन्य आधुनिकतावादी सदस्यों के मन में यशोधर परंपरावादी सोच होने के कारण भिन्न विचारधारा होना। 2

Downloaded from www.cclchapter.com

14 **'व्याकरण'** पर आधारित दर्शाए गए अंकों के अनुसार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (5)

(क) (i) **रूपक अंलकार**– काव्य में जहाँ बहत अधिक समानता होने के कारण उपमेय में उपमान का आरोप कर दिया जाए , वहाँ रूपक अलंकार होता है।

जैसे – अपरस रहत स्नेह तगा ते। 2

(ii) यमक अलंकार। 1

(ख) **स्वर संधि** – **2**

अवर्ण (अ, आ) इवण (इ ,ई) , उवर्ण (उ,ऊ) और ऋ के बाद समान जाति का स्वर आने पर जब उसी जाति का दीर्घ स्वर बन जाए तो उसे **स्वर संधि** कहते हैं। **जैसे** – विद्यालय – विद्या + आलय

15 **'आदर्श जीवन मूल्य'** पर आधारित दर्शाए गए अंकों के अनुसार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 2 x 4 = 8

(क) मन स्वस्थ ,शांत , स्थिर , एकाग्र , और विश्वास से भरपूर व मजबूत मनोबल आदि गुण जीवन में सुलता के लिए जरूरी हैं। 2

(ख) मन में कठोरता ,कटुता , क्रोध , आवेश ,तनाव, दबाव आदि नहीं रखना चाहिए क्योंकि इन अवगुणों के आधार पर कर्तव्य पथ पर बढ़ना आसान नहीं होगा। 2

(ग) अपने प्रिय प्रभु स्वरूप का नित्यप्रति ध्यान करना ही मन का आहार है। जिससे स्वयं ऊर्जा ,बल , ओज , शान्ति का अनंभव होगा। 2

(घ) दुर्गा देवी के लाहौर व इलाहाबाद के आवासों को जब्त करने , भगत सिंह , राजगुरू और सुखदेव को फाँसी देने आदि की घटनाओं से आघात लगा। 2

Downloaded from www.cclchapter.com